

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ संजुक्तशास्त्र

श्वरदृता सरताह (21-26) फरवरी

विषय: "जिला स्तरीय श्वरदृता जब जागरूकता समं प्रतिपुस्ति अभियान"

दिनोंक: 24/2/2022

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ संजुक्तशास्त्र के द्वारा
श्वरदृता शर्ताह के अंतर्गत आज दिनोंके २४/२/२२
को सम्पादित ली जाए वाली गतिविधियों के अंतर्गत
जिला स्तरीय श्वरदृता जब जागरूकता समं प्रतिपुस्ति अभियान चलाया गया।

इस आर्थिक का प्रारम्भ शहरविद्यालय
श. पुस्त ॥:०० बजे से किया गया। जिसमें महा-
विद्यालय के समन्त विद्यालय श्वरदृति समिति श्वरदृति
विद्यालय से संबंधित पुस्तिपुस्ति प्राप्त
जाए का इच्छा करनेता का ग्रामीण हीन ता चलाय
किया गया। जिसमें हम सभी विद्यालय श्वरदृति
शुद्धि में बहुत श्वरदृता से संबंधित गाली शुद्धि
मोदलो में जाकर खींडनेक प्राप्त किया।

हम खींडनेक खार्ट में दो बड़ी - बड़ी की
शूद्धोंक फार्म में दो बड़ी - बड़ी की

PRINCIPAL

Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

सर्वपुण्यम् भावसी रामौर न देवी छसाद् मनुर के घर जातः
अप्यथा परिषय दिया और उभये ब्रह्मक जाग्रकता।
आमिश्राय से संबंधित पूर्व लिखे। पुढ़ों के ठिकर हैं
पुतीत हो रहा था कि ब्रह्मका नी रख लाभ की ओर
हम शब्दने अप्यथा लाभ लक्ष दिया है।

वापु जी का सप्तवा था ५३ श्वरक भावत सुखद
~~५०८(३)५५: नामक~~ भावत। इस विषय का साकार करवा का बीड़ा हाँचे
मालवीय पुष्टायमंजी भैरव गोत्री जी के डास्त्र १-वर्णका।
जी और एक लाभ का दृश्य संकल्प लिया है। ज्ञान
समय जा गया है हम इस आमिश्राय से पुढ़के
इसका लारगर लेवाई।

श्वरका जीव बैंक के २१ वर्षों से निवासी श्वरका
से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई है चुरवा क्षया एवं
हीला क्षया के शाद धक्किया को भी नियमा लिया कि ज्ञाप
नियम के गाँव नवरीज जैस - फल , स्तिष्यमो के द्विलके,
कॉफी पा चाय पत्ती जैसे किववके लवरे को रख दिये थे
किसी वाहनी, रुम, निट्रो का गमला आदि में डाले। शुद्ध
ज्ञाया है कि शुद्धी परियो, वारियल के द्विलके जैसे शुद्धी ज्ञाये
को शुद्धका लाके गीजे करवरे में निलग्ये। यह वसी का
कंदील लाता है, ज्ञादि जीवित तीव्र है किकर्त्ता वाला है।

तब रेगद बढ़ती है। जोर बताया कि यह प्रतिया की भवन वर्ते
गे प्रसंग करनी चाहिए। जिससे इन प्रतिवर्ती के प्रत्येक विषय
के समुदाय के लोगों से भी जीवनका जात मिया गया। अब
इनको से संबंधित प्रश्न किये गए। जिसमें शीर्षक
पठन का छहल-प्रत्येक से संबंधित प्रश्न - (हृदयाभ्यवर्ग)

- ① जीया आप अपने गांजर को पढ़ो तो उसका - जी आग सुखरा
पाते हैं - (४०)
- ② जीया आप नगर निगम आरा प्रश्न की जाकी वानी हो -
दूर डौर करपरा संग्रहण संवादी तो मंत्रज्ञ है - (जी है)

द्वितीय कर्म-युक्त वर्ग से भी दृष्टिकोण से संबंधित प्रश्न किया

- ① जीया आपके द्वारा संग्रहकर्ता को अपने - अपने
करपरा (गीता, और शुद्धि) तो १५-१६ (नहीं) तक आप होते हैं।
- ② जीया आप अपने आज-प्रेस के दोस्रे की छन्दों का साफ -
शुद्धरा पाते हैं। (है) पहले की अपेक्षा अझी साफ पाते हैं।
प्रत्येक आगमनकर्ता अभियान के अंतर्गत दोनों वर्गों
से अलगर दृष्टिकोण संबंधी पाँच नैक प्राप्त किया जाता है।
कंपोर्ट तो खालकारी भी प्राप्त की जाती है। कहा गतिविधि का
शुद्धरा नवाच का अंत निर्माणियां तथा विकासकर्ता वर्ष विद्यार्थी।

७वं सम्मुदाय के नागरिकों का महत्वपूर्व योग दाय था।

**त्रृट्टा जन्म के प्रातः फोटोबॉक / युवा वर्गी में प्रातः फोटोबॉक
(करमेता)**

- ① देवी पुस्ति शुक्र - ६५ वर्ष
- ② सात्य लाल - ६० वर्ष
- ③ श्रीमति लक्ष्मीरेखा - ३७ वर्ष
४. डॉ. शंकर चौधरी - ५२ वर्ष
५. डॉ. रोहिणी गुप्ता - २५ वर्ष
६. अर्पिता चौधरी - ५२ वर्ष
७. विनोदी - ६३ वर्ष
८. अमृत सिंह - २५ वर्ष
९. त्याजी गाई जैन - ६४ वर्ष
१०. श्रीता गाठोर - २२ वर्ष
११. अनेना जैन - ६० वर्ष
१२. ऊमर ज्योति - ५८ वर्ष
१३. डॉशीर चौधरी - ६३ वर्ष
१४. अवीर वर्मा - २० वर्ष
१५. डॉलका वाजपेयी - ६० वर्ष
१६. राहुल शिंह - २८ वर्ष
१७. मधु चौधरी - ६२ वर्ष
१८. मीरा देवीरा - २५ वर्ष

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jalandhar



“कर्मेता वृत्ति में फीट छैल
स्क्रीनित करते हुए नींव बड़ा
शिवाजीगांधी”



विलो स्तरीय संवर्द्धना यजु जागरूकता
अभियान सर्वं पाठ बहु उपरिकान

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

जिला स्तरीय स्वदृष्टि जन जागरूकता
स्वं भूति पुष्टि अभियान



PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

ડૉ. શાધાકુણન કોલેજ માં રાજુકેશન

સ્વરદ્ધતા સત્તાછ (21-26 ફરવરી)
વિષય: સ્વરદ્ધતા રંગોલી પુતિયોગિતા

દિનોંક: 22/2/22

ડૉ. શાધાકુણન કોલેજ આપણ રાજુકેશન કે ડૉ. રાજુકેશનાની સત્તાછ કે અંતર્ગત આપ દિનોંક 22/2/2022
કો **સ્વરદ્ધતા રંગોલી પુતિયોગિતા** કા આચીબદ્ય કિયા।
આપણા સ્વરદ્ધતા સત્તાછ અભિયાન આપણે આપ મે રંગ
ત્રયુઠા અભિયાન હોઈ છે।

આ પુતિયોગિતા કા શુભમંદિર 12 વખે સે કિયા
ગયા। એ પુતિયોગિતા મે મહાવિદ્યાલય કે સાની વિસ્તાર
ગયા જી રારિ-ઘટ હૈ। એ સ્વરદ્ધતા સત્તાછ પુતિયોગિતા
કા તુલાદાન કેવળ વિચારિયા મં હી નથી રાજુકેશનાની એ જી
દિનોંક। એ પુતિયોગિતા મે મહાવિદ્યાલય કે વી.રૂ.ડ., રામરાદ
દાંડ ડી.રલ.રડ કે વિચારિયા ને નકૃત ઝોપાંદ એં લેવી
કે સાચ આગ લિયા।

સ્વરદ્ધતા સત્તાછ કે અંતર્ગત હું પુતિયોગિતા કા
આચીબદ્ય કર્યે તા ભૂરભૂ લહય હોઈ, પૂર્વીન સમાન કા
બાળરિક તો ઘર, ઝોગન, સાડક, આંપાણ તો વાતાવરણ

वेवरद्दा रहेराहा तो पुर्य नैका ही रेवरद्दा रहेरा। १८८८
वेवरद्दा सत्ताह मावन का भुख्य उद्देश्य अपन
आत्मपास की साप-सजाक रखना सब यह लाख आप
अपन घर मे जर सकते हैं। कचरा की कचरा पाज मे
डाले, इसके अलावा सरकार ने काचरा डालने वाली
गाड़ी दी है। आजका पुर्यां तर्ह, अपन घर के आख-
पास की नालियों की साप रहे। कह रंगोली उत्तियोगिया
मे शशी उत्तियोगिया ने वेवरद्दा से संबंधित रंगोली
बनाई निजात लज्जी विद्यार्थी ने अपनी उत्तिया का
बेखुफी जे प्रदर्शन किया। रंगोली के माद्यम से
वेवरद्दा भारत का संदेश दिया।

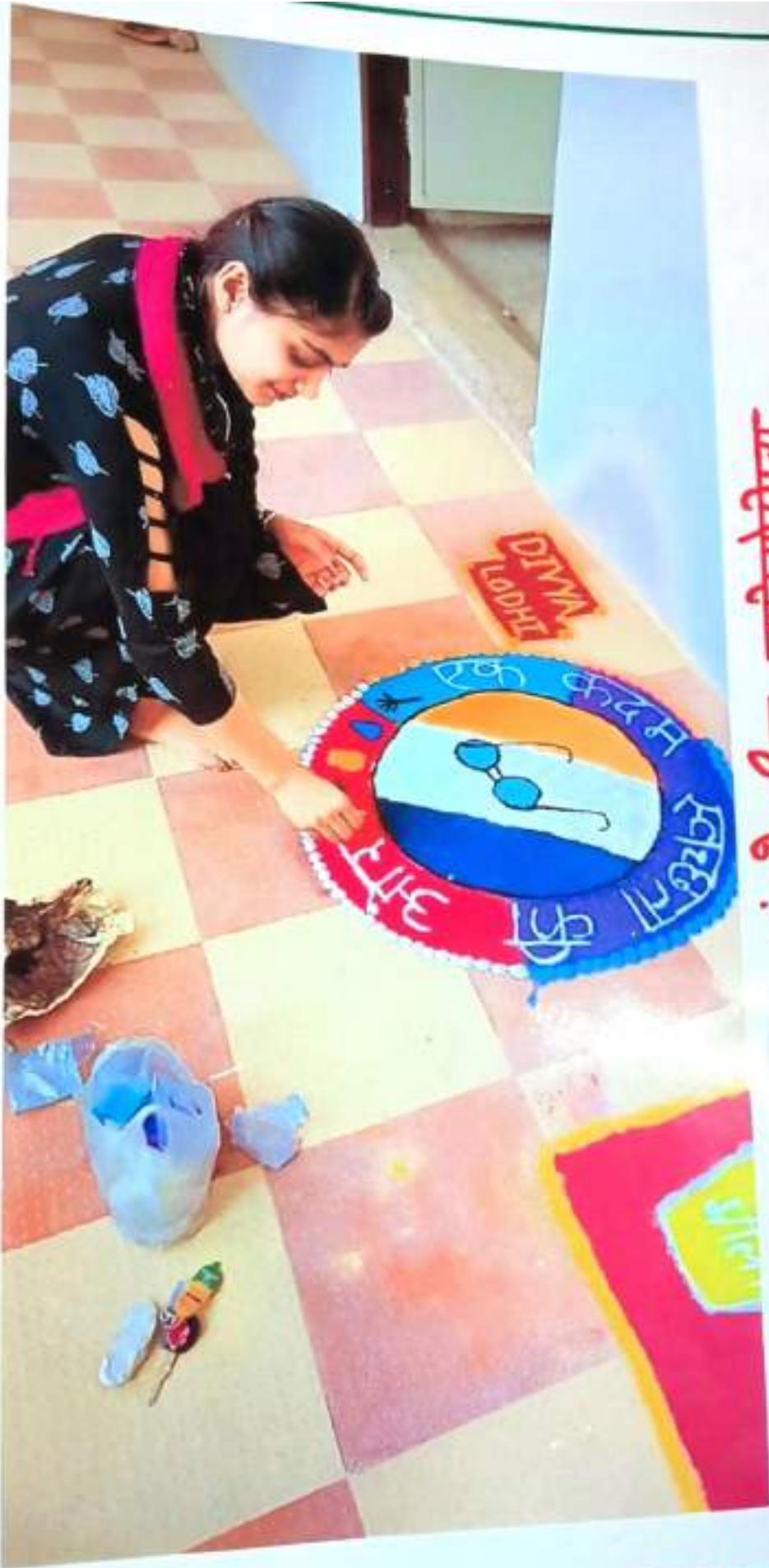
दित्या लोटी ने रंगोली के माद्यम से बताया कि
“एक कठम वेवरद्दा की ओर का संदेश दिया। वही

श्वेता सौभी के हुरा सुखा और गीता कचरा कचरा पाज मे
डाले। सशी विद्यार्थी ने रंगोली के माद्यम से
वेवरद्दा पर अपन विचार रंगोली के माद्यम से प्रस्तु
किया।

“बापु का लक छी सपना
वेवरद्दा और सुख ही मारत अपना”

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

डॉ. राधाकृष्णन कौरोलेर और अंगुष्ठीन



राजीव — प्रति दिन
देवेंक 22/02/2022

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ संगुकेरान



रंगोली - प्रतियोगिता



न्यू आकांक्षा शिक्षा सिमिति द्वारा
“अंध—मूक बधिर दिवस में शैक्षिक भ्रमण का आयोजन ”

न्यू आकांक्षा शिक्षा सिमिति द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु समय—समय पर विभिन्न सामाजिक कार्य किए जाते हैं। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए आज दिनांक 26/09/2023 को संस्था द्वारा मूक—बधिर दिवस के उपलक्ष्य में एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया। संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से प्रत्यक्ष संपर्क कर उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने खुलकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। “जस्टिस तन्खा मेमोरियल रोटरी इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन में संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों को उपहार स्वरूप कलरर्स, पेसिल, रबर ड्राइंग सीट पेटिंग किट आदि चीजें प्रदान की गई। बच्चों से मिलकर सभी शिक्षकों व प्रशिक्षकों एवं विद्यार्थियों को एक नया अनुभव प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में संस्था के शिक्षकों व सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्स लिया। संस्था की प्राचार्या द्वारा दिव्यांग बच्चों को उपहार एवं शुभकामना संदेश दिया गया। सभी बच्चे भी बहुत उत्साहित थे।

Dr Radhakrishnan college of Education



Dr. Radha Krishnan College of Education

ज्ञानसी विवेकानन्द जंपती
निवेद्या जब पौस्तर श्रीत्यागिना

तिथि - स्वामी विवेकानन्द ज्ञानसी जमित के अहानु सामग्रजुष्टक
दार्शनिक स्व. राजेश के प्रेरणाभूमि स्व. व्यार्था

दिनांक: 12/01/18

12 दिसम्बर स्वामी विवेकानन्द जंपती के उपलब्ध में डॉ. शाह
कृष्णन् कॉलेज ऑफ कल्युकेशन के तत्वावधान में निवेद्य एवं पौस्तर
श्रीत्यागिना आयोजन की गई। निवेद्य का तिथि "स्वामी विवेकानन्द भाष्यानिक
आरत के महान् दार्शनिक समाजसेवा से युवाओं के प्रेरणाकर्त्ता"।

इस प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थी ने बाह्यिक चुगा दिवस पर
उठो, जगो और तब तक जत रहो, जब तक अपने एहसास तक न
पहुँच जाओ। उनी विद्यार्थी के लाए अपनी प्रतिप्रा पौस्तर एवं निवेद्य
के माध्यम से उत्तरों की।

उन वार्षिकों की भूरण्यु जीतीश महाविद्यालय के संचालक
डॉ. आमिरक चौके, डौमारी कृष्णा चौके एवं प्राचर्य डॉ. आवशा
सोर्खजी एवं महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी जीती चुक्को डौमारी
समता तिवारी डौमारी चुदा जासी जीमारी स्वामी जीवलत डौमारी मनीष
जानी। शुभी वार्षी, डौमारी अभिना डौविस मादि उपरिधात ही।

उन प्रतियोगिता का आयोजन करने का उद्देश्य - युवाओं का
स्वामी विवेकानन्द के प्रेरणाकर्त्ता एवं महाराम के विचार तण अभिमान क्षमा
से परिपूर्ण करना चाहा, ताकि वह युवा यीं सभी मार्फ की अद-
अगृहन हो सके और देश की उन्नति में अपना योगदान दे सके।

उन उत्तीर्णिकों के नाम विश्वासियों के द्वारा जल लेखा
प्रसारी दीक्षा का वैद्युत उद्घोषण किया। वार्षिक एवं वार्षिक वार्षिक
इस प्रथा चरका वै विश्वासियों प्रसारोंको जलमध्य की गई।
विश्वासियों ने अपर्याप्त का इन्द्रजल सेवाया गया एवं विश्वासियों
की अवधिए न छोड़ा रखा एवं उन्हें जाति वै विश्वासियों वै
विश्वासियों में विश्वास के माध्यम एवं व्यक्ति उपर विश्वासियों
में विश्वास के विश्वासियों के विश्वास के विश्वास तथा विश्वास
की जाति अपर्याप्त विश्वास संस्थान जैसे विश्वासियों के विश्वास
में हुई थी उपर वै क्या विश्वास के विश्वास विश्वास देखा
विश्वासियों के विश्वास के अंदर विश्वासियों के विश्वास।

कुछ विद्युतीयों के द्वारा इनमीं विकल्पन के लक्षणों में से पर उच्च ग्रामा विकल्पन के लक्षण यह है कि उच्च ग्राम का गार्डर देखा कीज डैग, उच्ची लीड भी उच्ची लीड, यारी बित्ती ही धीन ली पानी के विकल्प वह विकल्प का गार्डर लक्षण यह है कि ली, विकल्प वह उच्च ग्राम होने वाला ग्राम होता है।

उम्मी ने विद्या के संप्रभु ने उनकी विकासने के मुकेचार
उम्मी विद्या का महत्व सर इच्छी विकासने तुम्हारी ने विद्या लह
संवादालू नेपूर के विकासने करने वाले हैं। वे उम्मी विद्या
एवं उम्मी गल्ल।

३८ यह इसा मे अमीर विदेशी से तुम्हारे लिए जाए
पुण ते को जरूरते ने प्रभावी नहीं बोले गये ।—
इसी नहीं जैव-जीवन उत्तमता भी ऐसे तुम्हारे
प्रिये जैव-जीवन के त्रुटियों के लिए जबकी विदेशी विदेशी
जैव भाष्यकारी जैव-जीवन के लिए यह विदेशी विदेशी के अवधारणा
द्वारा भाष्यकारी जैव-जीवन के लिए यह विदेशी विदेशी के लिए यह विदेशी

जहाँ वे अपनी बुद्धि ने उपरोक्त लोगों को उत्तेजित
किये हैं जहाँ उन्हें वह जीवन का एक दौरा है तब
उन्होंने जीवन को बैठक हार दी और उसका जीवन खोया, अपने जीवन
में जो व्यक्ति वह था उसका जीवन जो बैठक हार दी गई थी।
उपरोक्त वेदों के अनुसार जीवन का अस्तित्व वह है कि

ज्ञानोदय दिवस के अवसर पर यह काम किए जाते हैं। यह सभी दिवसों के अवसर पर यह काम किए जाते हैं।

वैदिक द्वारा लिखा गया अनुष्ठान है कि इसका उत्तर एवं वह
संस्कृत में भी आ गया है। इसका अध्ययन संस्कृत जैव विज्ञान
में विशेषज्ञ विद्युत विज्ञान विद्या एवं विज्ञान के सम्बन्ध में
के प्रस्तुत विभिन्न विषयों के अध्यात्मीय विषयों में से है।

1000 90 1997

महाराजा की वकालत में उसे सभी भैयोंनो दर खिलाफ़ की गयी तो विनायक जी ने अपने बड़े भाइयों को बताया कि आप अब इस दृश्य के बाहर नहीं चल सकते। विनायक जी ने उसके बाहर चलने के लिए उसकी विश्वासीता को बढ़ाव दी। विनायक जी ने उसकी विश्वासीता को बढ़ाव दी। विनायक जी ने उसकी विश्वासीता को बढ़ाव दी।

उचित रूप के अनुमति के लिए हर दोष सख्ती से
युवा विकास अकादमी ने जारी की अधिक वर्ष
-सीढ़ी।

नवायाम विद्यालय समाज के बहु-प्रभावी
उद्योगीय का अधिकृत संस्था राया विद्यालय के वेस्टर्न +
जापानी शैक्षण के उत्तराधिकारी के सम्मिलन में उद्योगीय
किए गए विद्यालयों के द्वितीय संघ विद्यालय विद्यालय
का विद्यालय उत्तराधिकारी विद्यालयों द्वारा विद्यालयों के प्रधान
प्रिया विद्यालय के कानूनी संघ विद्यालय विद्यालयों के उत्तराधिकारी

मिथुन वर्षान के अप्रैल सप्तमी दिनों तक उत्तरी
गोदान इस घटना कोटी हजार लाख रुपये का बहुत
बड़ा उत्तर हुआ। जो ये मिथुन गवाह के इस दिनों
का विवेता करने की आशंका था वो गठि, भिन्न
भागों द्वारा उत्तर गवाहों की शैव संस्कृत वान दो गया।
इस बारेमुक्ति की कार्यतुष्ट गवाही तुम पासी भी ने अधिक
जो भावार उद्देश्य दिया है, जारीकरने का अधिक
किए रखा।

સાહેબનામું જીવિતકા

१८ अगस्त २०१४

- | | | |
|---|-----------------|--------------------------|
| ५ | प्रदूष सम्बन्ध | - दिल्ली का प्रदूष |
| ६ | सिर्जना सम्बन्ध | - अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध |
| ७ | जल सम्बन्ध | - दिल्ली का जल सम्बन्ध |

३५४ - अमियोजिता -

- | | | | |
|--------|------|--------|-------|
| उत्तर | वाहन | दीप्ति | कृष्ण |
| दक्षिण | वाहन | दीप्ति | कृष्ण |
| पश्चिम | वाहन | दीप्ति | कृष्ण |

ପ୍ରିଣ୍ଟିଂ କେନ୍ଦ୍ର, ରାଜସ୍ମର

त्रिपुरा बोर्ड

लिंगायत राज्य

— १० — शास्त्रीय लेखन

वर्षाकृष्ण उच्चारी
त्रिलोकी मुख्य पर्व

स्वामी
रवीकानंद
जयन्ती
12-1-2018



PRINCIPAL

Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

विषय : सेवकोता जागरूकता अभियान
“पैट्रिंग”

दिनांक : 26/2/2022

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन के तलाशाल में
सेवकोता जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों विद्यार्थियों
द्वारा मनविद्यालय की दीवारों, व सार्वजनिक इमारतों पर
पैट्रिंग के आद्यम से सेवकोता को संदेश देख वाला चित्र
बनाया गया।

इसमें वर्षों के आसपास भाषा-संग्रह ११८वं, डॉ-
निंब ने कवरी डालने, श्री-पालारु का उपयोग करके,
पांचारीपाठी करने, अन्य धूमार की पिंडों की पैट्रिंग
बनाकर लेने का जागरूकतरी का प्रयास किया गया।
विद्यार्थियों द्वारा सेवकोता का संदेश दीवारों पर विवरणों
मनविद्यालय द्वारा आम जागारिकों का जागरूकतरी
का प्रयास किया गया।

सेवकोता भारतार्थ की व्युक्तिमात्र अपर्याप्त हो आप ने
इसके अनुरूप अभियान की जगत् सभी विद्यार्थियों की
शुद्ध जागिरा आवश्यक रूप, बोल्ड परिलक्षित नहीं हैं,

विद्यार्थियों द्वारा सभी को चित्रकला। किंतु स्वत्वागमन द्वारा लगानी
को गोदगाड़ी स्वं कर्तव्य सुधक रखने वाली में ने फैकलों के
पुत्र जागरण के नरन का प्रसाम किया गया।

— अरटदता शिरोड़ार भाऊ गोदावरी को बुरट्टे काहरा
ज्ञानपाल सेना सभार्क वलना, लगानी को अरटदता को बहाव
बताया है,

विद्यार्थियों द्वारा लिखी गयी स्वत्वागमन बहुत ही उत्तमादायक
है, जो कि निम्नलिखित है -

“युवा क्रांति है भवन पर आरी

चला करो अरटद भारत की हृत्यारी”

चित्रकला रखने स्वत्वागमन वनावे वाले विद्यार्थियों का नाम
छ अपगी बामदेव, मानसी राठीर, कृषिका जैन, पूजा डीवरसन,
आमुदी झंग्राम, अलीशो, आंदाल पुसाद तथा विद्यार्थियों
के की सदस्यागतों थीं।

SWACHH BHRAT



भुजा कारो गोला कारो

"डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन
जबलपुर



स्वच्छता जागरूकता मीम्यान
वॉन प्रैटिंग

26/02/2022

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

डॉ राधातुणन कोलीव द्योषे शुद्धि करमैता, बिलापुर

सुवक्तु नारेक प्रतिशोधिता 21-1-2020
रवाद्य पवार्षी में मिलावर हेतु आमज्ञन की भागीदारी

डॉ राधातुणन कोलीव में खाज दिनोंके
के शुद्ध के लिए सुदृढ़ अधिकार वर्षारुम के
अंतर्गत सुवक्तु नारेक का आशीर्वन किया गया।
इस नारेक के माहसुम से मिलावरी चीजों
से उपर्युक्त का सुपर्देश दिया। प्रतिशोधिता
शुद्ध रात्रि द्वारा सुर महाविष्णुलय की प्राप्तार्थी
श्रीमती डॉ श्रावना लोनेजी ने कहा कि
रवानपान की चीजों में ही ही मिलावर से
लोगों के स्वास्थ्य पर लुटा उपर्युक्त पर रहा
है। उपर्युक्ता अपने द्युषिकारों के सति
बोगराटी मरी है। उहाँने कहा कि जब तक
आम लोगों बोगराटी नहीं होती। तब तक
मिलावर करने वाले लोगों करिवाही से
बचते रहेंगे। अतः भाँत्य पवार्षी में मिलावर
के विशेष से आवाज उठानी चाहिए।

का प्रतिशोधिता का त्वामंश प्रातः 11 बजे
महाविष्णुलय के व्यंचालक श्री व्यभिषेक चीरेजी
तथा हृषीकाशी श्रीमती डॉ श्रावना लोनेजी की
अद्विद्वता में किया गया। शुद्ध के लिए सुदृढ़
अभियान कार्यरूप के अंतर्गत "रवाद्यपत्रार्थी में
मिलावर चीजों हेतु आमज्ञन की भागीदारी" विषय
पर डॉ राधातुणन कोलीव में सुवक्तु नारेक का
आशीर्वन करते हुए हाती रे तथा त्वामंशपक्षी ने
मिलावर के प्रति ज्योषिकाविक स्वर्त्यों में लोगों
को बोगराटी करने तथा बोगराटी की लोगों का
प्रयाव किया। श्री अत-जन में यह सदन

कूलाने का सुधार किया था। और यह संदेश
 हैं कि उसका किया कि, रणनीति परापरा में
 मिलावट की क्रांति होने पर रणनीति विभाग के
 अधिकारियों द्वारा जिकायत का उपचारिता
 कार्रवाए में जाकर अपने अधिकार के लिए
 लड़ना चाहिए। तथा - मिलावट रई स्पार घास रहने
 के लिए हम सभी को प्रयत्न करना चाहिए।
 हम आज पुढ़र बढ़ा पुढ़, सरीर पुढ़ रो बचना
 चाहिए। हम रत्नाकुर की अपेक्षा पाँचवर्षीयों
 की अधिक मात्र ढेना चाहिए। तथा अधिक
 खुओं के आवार पर भी बीच रखामरी का
 महाव दिया जाना चाहिए। सदकार मिलावटी रणनीति
 परापरा बनाने जीर विवृत जनने वालों के विकास
 को जारी रखने के लिए सकलित्पत है।
 मर्दयपृष्ठों को मिलावट मुक्त पृष्ठों बनाने के
 लिए सुरक्षार यह अभियान चला रहा है।
 इस अभियान के द्वारा मिलावटर्वारों के विवरण
 और यह जीवनी मिलावट के हुए परिवारों के
 पुरी जीवनी को बागरबूझ किया गया। इस
 अभियान के तहत मिलावटर्वारों के काले आर्द्धवार
 की बोंबों कराने का सुधार किया गया।
 इस नुवकास नाटक की रास्तयातीमा 10
 मिनट रहनी गई। उस छालों के अधिकाधिक
 लोगों में हुए जीवनी आगीदारी दिखाई। मिलावट
 दौलती समझाए गांधीजी का लेती जा रही है।
 और वहाँ जिकार विधायी और युवा वर्गी
 किंवद्दीर पर ले रहा है। वहाँकि युवगर्वों
 एवं विधायी तायः जाहर पुढ़ का सर्वन
 करते हैं। और रवाद्यपरापरा में मिलावट

मेरे सभी की राह स्वतंत्र लोना चाहिए कि
मिलावट करने वालों के रिवायक उपचार
उठाएँ। सरकार हासा मिलावटररों के रिवायक
चलाए जा रहे अधियान में स्वभावित लकर,
कानून के पारपानों की ऊपर सदाच बनाने
के रूप निगरानी तंत्र की मध्यवृत्त करना
चाहिए। और मिलावट के आंकड़े की
रूपरेखा के लिए एकमुख दृष्टिकोण बनाएं।
प्रतियोगिता के अंत में इस प्रतियोगिता
में विजयी हावी की लौंगणा की गई।
पृथक् स्थान डी.एड. के रवि वैल
हितीय स्थान बोलु जायलगां (बी.ए
चतुर्थ स्थेमटर तथा तृतीय स्थान शुजा
विलारी (बी.एड चतुर्थ स्थेमटर))
के काले दालाओं हो साते किया। इस
प्रतियोगिता में विजयी हावी की प्राचार्या
बी. ने उम्मीदवारों दी और सफलतापूर्वक
कार्यक्रम को समाप्त किया गया।

PRINCIPAL

Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

'थैल की लिटै-युक्त' अधियान कार्यवाह के
अंतर्गत आरोग्य नुवक़ड़ - नारक
स्वास्थ्योपरिवार 22-1-2020



डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ओफ एजुकेशन

विश्व दृश्य दिवस

जागरूकता ईली १-१२-१८

ज्ञाप्त दिनोंके १-१२-१८ को कोडॉ. राधाकृष्णन कॉलेज में विश्व दृश्य दिवस के अवसर पर बोन जागरूकता ईली का जागरूकन किया गया। ऐसे महाविद्यालय के समर्त विद्यार्थियों ने हड्डी खरण्या में भाग लिया। तथा इन विद्यार्थियों के साथ हृष्य ओकंज नायर रखेंगी उच्चातर माध्यमिक विद्यालय के छात्र भी उपस्थित हुए। इनमें जलाना महा-विद्यालय तथा विद्यालय के समर्त विद्युत-गृण तथा उन्हें व्यवहारी ने भी उत्तर ईली में भाग लिया। तथा व्यवहारी की स्फुरण इनमें में व्यष्टि यांगानु द्वारा कुछ जापिक रूप जापिक संस्कृता में लोगों का जागरूक करने का प्रयास किया। जैसा कि ठम एशी जानते हैं कि, विश्व दृश्य दिवस प्रतिवर्ष १२ दिसंबर को मनाया जाता है। और हृष्यकृष्ण की तरह छाप तर्ष, श्री डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ओफ एजुकेशन में जवाहरपुर में इष्ट उत्तर पर विद्यालय ईली लोगों को जागरूक करने हेतु निकाली गई।

इस जागरूकता ईली का आरंभ हुआ:

१० बजे किया गया। श्रम: ४-३० बजे महाविद्यालय में समर्त विद्यार्थी उपली महाविद्यालयी कैरान्या में दृक्षण कुही। समर्त विद्यार्थी के छंथी में इस जागरूकता हेतु विभिन्न पाठ्यक्रम स्लॉगन थे। श्रम: ७ बजे समर्त विद्यार्थी दृश्यविद्यालय द्वारा महाविद्यालय ट्रांगोन में दृक्षण कुही जौर

बैन बनते का यह है नामा, हड्डियु मुक ले हैं इस समाज
हमने अब यह देखा है, हड्डियु को भड़ रखी भारती
इन नामों को लगाते हुए एक पंचित ने
हड्डियु हुई। और आविकापिक स्पष्टिय में उपलिखि
दोकर जागरूक सुना का परिचय हड्डिय के
बचाव के सुनि जागरूकता का वर्णन लोगों ने
पढ़ूँचाने में अपना योगदान दिया।

ग्रन्त: 10 बर्ष साहित्यिकालय के संस्थापन
श्री बनिष्ठेश चौधरी जी, आठवां व्रीपते,
डॉ. मावन खाना जी तथा साहित्यिकालय की सभा
और विद्यालय की ताचार्या श्रीमती हुण्ठा चौधरी
जी की अद्यक्षता में शार्धे हुए गया।
स्वरूप यार्थिक श्री बनिष्ठेश चौधरी जी ने
सम्पूर्ण साहित्यिकालय के लोगों को उद्वाहित
करते हुए कहा कि, वृत्ति तो विश्व हड्डिय दिवस
के दिन हर वर्ष को लोकों का जारी हुआ जाएगा।
जून जाते हैं लोकों द्वारा कार्यपुर्ष का अपनी
अपी तब सार्थक हो जाए लोगों तक इसका
उद्देश्य पढ़ूँचना। डाः विश्व हड्डिय दिवस की यह
30 वीं वर्षगांठ है। हड्डियों का सुरत्यु उद्देश्य
हड्डियों का सुरत्यु उद्देश्य
और बीकाम के विषय में प्रेरित करना है।
तथा समाज में हड्डियों का सुरत्यु उद्देश्य
को श्री समाज में उचित सम्मान दिलाने की
चाहेश्यकता है। ताकि वे सामान्य व्यक्तियों की
तब अपना जीवन धारन कर सकें। ऐसे विश्व में
बेकर जागरूकता के लिए तकाऊ और सदृशीकों
हासा देलियों तथा विभालयों और साहित्यिक
में लाल दिलन योग्या के विश्व के रूप में
जाते हैं।

उपराय है। स्थानिकता और छुरदूना की इस का उपराय है। अतः हम हमेशा की यह स्थानिकता लैना चाहिए तो हम स्थानिकी की रुचि भी स्थानिक रहना चाहिए और लौंगों को भी इस लाइफ नीमापि के प्रति बागरखुक बहामे के लिए उरित कुरन्या चाहिए क्षेत्र तरह। इस ऊर्ध्वरूप का व्युत्पत्ति अवधि तेज़ स्वाधीन सौना बन लौंगों तक हमारा स्वदेश पहुंचना लौंगों इस रोग से बचाव के बांध में व्यानिंदा लघा स्वरुप भी जागरूक हैं। इष्टतरह के सभी दाता दाताओं निष्ठाक शिक्षिकाओं और गुरुज्ञापनों के सहयोग से इष्ट रैली का समापन स्थानान्वयक समापन किया गया।





मृदग
अनियोगिता

World Aids Day poster competition

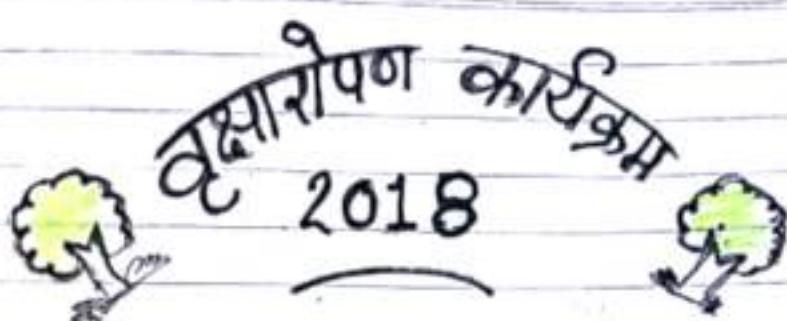




**EXPERIENTIAL
LEARNING
(Practice
Teaching)**



DR. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION - 2018



“ वृक्ष लगाओ , जपना जीवन सुखी बनाऊँ ”

“ आजँ मिलकर वृक्ष लगाए , जीवन में सुशासन लाएँ ”

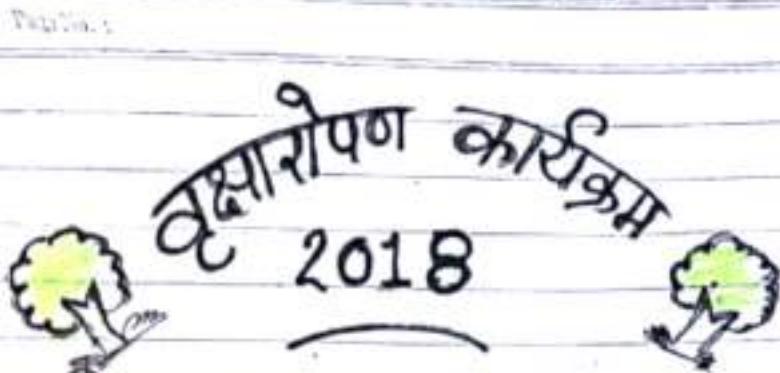
वृद्धों की उपर्योगिता व महत्व की बताने के लिए तथा वृक्षारोपण के पृष्ठि ज्ञागसंकलन उत्पन्न करने के लिए आज दिनांक 25/7/18 की डॉ. राधारूपाणन कॉलेज प्रौद्योगिकीय विभाग में वृक्षारोपण कार्यक्रम का जागरूकन किया गया । विस्मेल महाविद्यालय की स्थापिका , प्राचार्य महादेवा , समस्त शिक्षक - शिक्षिकाओं स्थान, स्थान द्वारा द्वारा जीवन के प्रदर्शन से लागों को वृक्षारोपण के पृष्ठि जागरूक करने का प्रयास किया । महाविद्यालय की स्थापिका डॉ. प्राचार्य जी डॉ. श्रीमती भावना स्पैनेजी हारा वृक्ष लगाकर कार्यपूर्वक का शुभारंभ किया गया । कार्यपूर्वक मध्य में वालधालाओं द्वारा स्लागर तथा पार्स्टर का प्रदर्शन करते हुए भाषण के माध्यम से वृद्धों की उपर्योगिता को लेता गया ।

इसके अलावा पार्स्टर प्रतियोगिता में

DR. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION - 2018

Page No.:

Date: 1 / 1



“ वृक्ष लगाओ , उपना जीवन सुरक्षा देनाओ ”
“ जाएँ मिलकर वृक्ष लगाए , जीवन में सुशोहली लाए ”

वृक्षों की उपयोगिता व महत्व की बताने के लिए तथा वृक्षारोपण के पृष्ठि जागरूकता उत्पन्न करने के लिए आज दिनांक 25/7/18 की डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया । जिसमें महाविद्यालय की स्थापिका, पृथग्यामी महोदया, समस्त शिक्षक - शिक्षिकाओं स्थान स्थान द्वारा - हालांकि ने भाग लिया तथा, उपने पास्टर, स्लॉगन और भाषण के प्रदर्शन से लोगों को वृक्षारोपण के पृष्ठि जागरूक करने का प्रयास किया । महाविद्यालय की स्थापिका और प्राचार्य जी डॉ. श्रीमती भावना स्पौनेजी द्वारा वृक्ष लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । कार्यक्रम के मध्य में द्वातेषांताओं द्वारा स्लॉगन तथा पास्टर का प्रदर्शन करते हुए भाषण के माध्यम से वृक्षों की उपयोगिता को बताया । इसके अलावा पास्टर संतिर्गीता में



बी.एड. एवं डी.एड. के विद्यार्थियों
पृष्ठारोपन से संबंधित चारि एवं पांच



शैक्षिक रुचि प्रपत्र

